एचएयू ने अधिक उपज, तेल मात्रा वाली सरसों की नई किस्म आरएच 1975 विकसित की

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एच ए यू), हिसार ने सरसों की एक उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है जिसकी उपज और तेल की मात्रा अधिक है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बुवाई के लिए एक उपयुक्त है जो कि एच ए यू की प्रचलति किस्म आरएच 749 से 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर बी आर कंबोज ने बताया कि हाल ही में जम्मू में आयोजित 30वीं वार्षिक सरसों व राई कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महा निदेशक (फ़सल) टी आर शर्मा की अध्यक्षता में गठित किस्म पहचान समिति द्वारा आरएच 1975 किस्म को सिंचित परिस्थिति में समय पर बुवाई के लिए पहचाना गया है।

आरएच 1975 किस्म की औसत उपज 11-12 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह किस्म 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ उपज की क्षमता रखती है। इसमें 39.5 प्रतिशत तेल की मात्रा है।

आरएच 1975 किस्म हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, केंद्रीय प्रशासित प्रदेश जम्मू व उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बुवाई के लिए पहचानी गई है। प्रो कंबोज ने कहा कि इस किस्म का बीज किसानों को अगले साल तक उपलब्ध करवाया जाएगा।

एच ए यू के अनुसंधान निदेशक जीतराम शर्मा ने बताया कि सरसों की इस नई किस्म को वैज्ञानिकों की टीम द्वारा विकसित किया गया है जिसमें राम अवतार, नीरज कुमार, अशोक कुमार, मनजीत सिंह, राकेश पूनिया, निशा कुमारी, विनोद गोयल, महावीर और राजबीर सिंह शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस टीम ने गत वर्ष भी सरसों की दो किस्में आरएच 1424 व आरएच 1706 विकसित की हैं।